दिनांक, 17 नवम्बर, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी दिल्ली के टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब् एवं आईआईआईटी दिल्ली ने भारत के पहले मेडिकल कोबोटिक्स सेंटर की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्लीः आईहब फाउन्डेशन फॉर कोबोटिक्सए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दिल्ली के टेकनोलोजी इनोवेशन हब और आईहब अनुभूति औफ इन्द्रप्रस्थ इन्सटीट्यूट ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी के टीआईएच ने बुधवार को आईआईआईटी दिल्ली में भारत के पहले मेडिकल कोबोटिक्स सेंटर की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समारोह मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व डीएसटी सचिव प्रोण् आशुतोष शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गयाय विशिष्ट अतिथि के रूप में डीएसटी के वरिष्ठ सलाहकार डॉ अखिलेश गुप्ता और डॉण् केण्आरण् मुरली मोहनए एनएम.आईसीपीएसए डीएसटी के मिशन निदेशकण्

मेडिकल कोबोटिक्स सेंटर युवा रेज़िडेन्ट डॉक्टरों के लिए एक टेक्नोलॉजी इनेबल्ड मेडिकल सिमुलेशन एवं ट्रेनिंग सेंटर होगा जो हेल्थकेयर रोबोटिक्स एवं डिजिटल हेल्थ में रीसर्च के लिए एक वेलिडेशन सेंटर की तरह भी काम करेगा। यह सेंटर हेल्थकेयर प्रोफेशनल्सए पैरामेडिकल स्टाफए टेकनिशियनोंए इंजीनियरों एवं रीसर्च करने वालों को ट्रेनिंग प्रदान करेगा।

भारत सरकार के डिपार्टमेन्ट ऑफ साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी ने अपने मिशन इंटरडिसिप्लिनेरी साइबर.फिज़िकल सिस्टम्स पर नेशनल मिशन के तहत टीआईएच के लिए फंडिंग दी है। दोनों संस्थानों की इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता है और एम्स जैसे जाने.माने संस्थानों के शोधकर्ताओं एवं मेडिकल प्रोफेशनल्स के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। दोनों हब रोबोटिक.असिस्टेड सर्जरीए ट्रेनिंग एवं मेडिकल प्रोसीजर्स के लिए

मेडिकल रोबोटिक्सध् कोबोटिक्सए डिजिटल हेल्थए सेंसिंग एवं कम्प्युटिंग टेकनोलॉजी के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों पर काम करते हैं।

दोनों टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब्स के बीच साझेदारी पर बात करते हुए प्रोफेसर वी रामगोपाल रावए डायरेक्टर आईआईटी दिल्ली ने कहाए ष्ष्जॉइन्ट मेडिकल कोबोटिक्स सेंटर के लिए आईआईआईटी के साथ साझेदारी करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। समाज कल्याण के लिए आधुनिक तकनीकों के विकास के लिए ज़रूरी है कि विभिन्न संस्थानों के रीसचर्स एक साथ मिलकर काम करें। यह देखकर अच्छा लगता है कि दिल्ली में दो अग्रणी संस्थानों ने मेडिकल रोबोटिक्स में आधुनिक तकनीकों के विकास के लिए एक दूसरे के साथ हाथ मिलाया है।ष्ष्

प्रोफेसर रंजन बोसए डायरेक्टरए आईआईआईटी दिल्ली ने इस अवसर पर कहाए ष्ष्हम आईटी के अग्रणी संस्थानों में से एक हैं। कॉग्निटिव एवं सेंसिंग टेक्नोलॉजी आने वाले समय में रोबोटिक्स के लिए बहुत महत्वपूर्ण होंगीए खासतौर पर मेडिकल डोमेन और डिजिटल हेल्थ में इनका महत्व बहुत अधिक बढ़ जाएगा। मुझे विश्वास है कि यह साझेदारी इस क्षेत्र में बहुत प्रभावी साबित होगी।

प्रोफेसर एस के साहाए प्रोजेक्ट डायरेक्टरए आईएचएफसीए आईआईटी दिल्ली और श्री आशुतोष दत्त शर्माए सीईओए आईएचएफसीए आईआईटी दिल्ली ने एमसीसी की अवधारणा के बारे में बात करते हुए कहा ष्ष् भारत में रेज़िडेन्ट डॉक्टरो को ट्रेनिंग देने के लिए कई मेडिकल सिमुलेशन सेंटर स्थापित किए हैं। एमसीसी हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी के विज़न के अनुसार स्वदेशी तकनीकों को बढ़ावा देकर भारत को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देगा। इस तरह एनएम.आईसीपीएस के तहत स्थापित टीआईएच मेडिकल प्रोजेक्ट्स एवं प्रोडक्ट्स के लिए कारगर होने वाला है।ष्

आईहब अनुभूति की ओर से प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रोफेसर पुष्पेन्द्र सिंह और सीईओ श्री मुकेश मल्होत्रा ने आईआईआईटी दिल्ली के सहयोग से इस प्रतिष्ठित सेंटर आईएचएफसी की स्थापना पर खुशी ज़ाहिर की। आईएचएफसी एक सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स की भूमिका निभाएगा। एमसीसीए कंपनियों के सथ साझेरियां करेगा और तकनीकों के कमर्शियल बनाने के लिए काम करेगा।

ट्रेनिंग प्रोग्रामों का डिज़ाइन जानेध्माने डॉक्टरोंए खासतौर पर एम्स दिल्लीए जोधपुर एवं अन्य प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों के डॉक्टरों की सलाह से तैयार किया जाएगा। वे इन प्रोग्रामों के लिए फैकल्टी की तरह काम करेंगे और यूरोलोजीए न्यूरोलोजीए लेप्रोस्कोपी तथा मिनिमल इनवेसिव सर्जरी जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण देंगे।

पहला बैच कुछ बेसिक ट्रेनिंग सिमुलेटर्स के साथ अप्रैलध् मई 2022 से शुरू होगा। अगले चरण में आधुनिक सर्जिकल रोबोट्स की शुरूआत की जाएगी। एमसीसी दिल्ली एनसीआर में मेडिकल कॉलेजों की ज़रूरतों को पूरा करेगा। यह पॉलिसी नेशनल एजुकेशन पॉलिसी फॉर मेडिकल सब्जेक्ट्स को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है।

,,,,,,,,,